CHAPTER 11, कबीर के पद

PAGE 132, प्रश्न - अभ्यास - पद के साथ

11:1:11:प्रश्न - अभ्यास - पद के साथ:1

1. कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है। इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं?

उत्तर : कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है,इसके समर्थन में उन्होंने निम्नलिखित तर्क दिए हैं:

1. संसार में सब जगह एक पवन और एक ही जल है।
2. सभी में एक ही ज्योति समाई है।
3. एक ही मिट्टी से सभी बर्तन बने हैं।
4. एक ही कुम्हार मिट्टी को सानता है।
5. सभी प्राणियों में एक ही ईश्वर विद्‌यमान है,भले ही प्राणी का रूप कोई भी हो।

11:1:11:प्रश्न - अभ्यास - पद के साथ:2

2. मानव शरीर का निर्माण किन पंच तत्वों से हुआ है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर : मानव शरीर का निर्माण निम्नलिखित पांच तत्वों से हुआ है-

1. अग्नि 2. वायु 3. पानी 4. मिट्टी 5. आकाश

11:1:11:प्रश्न - अभ्यास - पद के साथ:3

3. जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै अगिनि न काटै कोई।
सब घटि अंतरि तूँही व्यापक धरै सरूपै सोई।।
इसके आधार पर बताइए कि कबीर की दृष्टि में ईश्वर का क्या स्वरूप है?

उत्तर : कबीर की दृष्टि में ईश्वर अविनाशी स्वरुप में विद्यमान है। सभी जीवो के अंदर परमात्मा का वास आत्मा के स्वरुप में है जैसे लकड़ी के अंदर अग्नि होती है । ईश्वर सर्वव्यापक,अजर-अमर और अविनाशी है। बढ़ई लकड़ी को अनेक भागो में चीर सकता है परन्तु उसमे व्याप्त अग्नि को नष्ट नहीं कर सकता। ठीक इसी प्रकार शरीर नश्वर है परन्तु आत्मा अमर है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

11:1:11:प्रश्न - अभ्यास - पद के साथ:4

4. कबीर ने अपने को दीवाना क्यों कहा है?

उत्तर : यहाँ "दीवाना" का अर्थ है - पागल। कबीरदास ने ईश्वर के वास्तविक स्वरूप को प्राप्त कर लिया है और वे ईश्वर की भक्ति में लीन हैं। जबकि बाहरी दुनिया आडम्बरों में ईश्वर को खोज रही है। अपनी भक्ति के आम विचारधारा से अलग होने के कारण वह खुद को पागल कहते हैं।

11:1:11:प्रश्न - अभ्यास - पद के साथ:5

5. कबीर ने ऐसा क्यों कहा है कि संसार बौरा गया है?

उत्तर : कबीर दास कहते हैं कि यह संसार पागल (बौरा) है, क्योंकि सत्य कहने वाले लोगो को यहाँ सब मारने दौड़ते है। दुनिया के लोग सत्य नहीं सुनना चाहते है। वे राम-रहीम की श्रेष्ठता को एक मुद्दा बनाकर लड़ने वालो की निंदा करते हैं। क्योंकि कबीर की दृष्टि में, भगवान वही है जो सहज रूप से भक्ति स्वीकार करता है। इसे पाने के लिए किसी आडम्बर की

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जरूरत नहीं है। इन बातों को सुनकर समाज कबीर की आलोचना और निंदा करता है और पाखंडियों के पाखंड को मानता है। इन सब कारणों के कारण कबीर को लगता है कि सारा संसार पागल (बौरा) हो गया है।

11:1:11:प्रश्न - अभ्यास - पद के साथ:6

6. कबीर ने नियम और धर्म का पालन करने वाले लोगों की किन कमियों की ओर संकेत किया है?

उत्तर : कबीर ने ईश्वर के तत्वों से दूर रहने को नियमों और धर्म का पालन करने वाले लोगों की सबसे बड़ी कमी माना है। ऐसे लोग बाहरी पूजा-पाठ से लेकर पत्थर-पूजा, तीर्थयात्रा, प्रार्थना, प्रार्थना, मंत्रणा, पीर-औलिया और पाखंड में अंधविश्वास करते हैं। लेकिन उनमें से कोई भी धर्म के वास्तविक स्वरूप को नहीं पहचानता है और आत्मज्ञान से वंचित है। ईश्वर सबके हृदय में विद्यमान है लेकिन किसी को पता नहीं है।

11:1:11:प्रश्न - अभ्यास - पद के साथ:7

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

7. अज्ञानी गुरुओं की शरण में जाने पर शिष्यों की क्या गति होती है?

उत्तर : अज्ञानी गुरु के सानिध्य में शिष्यों का उपकार नहीं अपितु नुकसान होता है। इस प्रकार के गुरु शिष्यों को गलत रास्ता दिखते है। वे लोग घर घर ज्ञान देते रहते है और अभिमानी हो जाते है। इसी अभिमान के कारण वे ईश्वर को नहीं प्राप्त कर पाते है। ऐसे गुरु तथा उनके शिष्यों का अंत बुरा ही होता है।

11:1:11:प्रश्न - अभ्यास - पद के साथ:8

8. बाहृयाडंबरों की अपेक्षा स्वयं (आत्म) को पहचानने की बात किन पंक्तियों में कही गई है? उन्हें अपने शब्दों में लिखें।

उत्तर : बाहृय आडम्बरों की अपेक्षा स्वयं को पहचानने की बात निम्नलिखित पंक्तियों में कही गई है:

टोपी पहिरे माला पहिरे, छाप-तिलक अनुमाना ।
साखी सब्दहिगावत भूले, आत्म खबरि न जाना ॥

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

इसका मतलब यह है कि हिंदू और मुस्लिम दोनों धर्मों के लोग बाहरी रूप में, यानी 'आडम्बर' में उलझे हुए हैं। कोई टोपी पहनता है तो कोई माला पहनता है। कोई माथे पर तिलक लगाकर और शरीर पर छापा मारकर अपना अहंकार दिखाते हैं और अपना अपना गुणगान करते है। वे साखी-सबद गाना भूल जाते हैं।

PAGE 132, प्रश्न - अभ्यास - पद के आसपास

11:1:11:प्रश्न - अभ्यास - पद के आसपास:1

अन्य संत कवियों नानक,दादू और रैदास आदि के ईश्वर सम्बन्धी विचारों का संग्रह करें और उनपर एक परिचर्चा करें।

उत्तर:

कक्षा में अपने साथियो तथा शिक्षकों के साथ मिल कर सामूहिक चर्चा कीजिये तथ उपरोक्त विषयों पे हर विद्यार्थी की राय जानिए। इसके बाद सबके राय का विश्लेषण कीजिये।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in